

M.S.B Board

कक्षा : 10

हिंदी – 2015

समय: 3 घंटे

पूर्णांक : 80

---

सूचना :-निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देश के अनुसार लिखिए। उत्तर स्पष्ट,सुंदर एवं पठनीय हस्ताक्षर में लिखिए।

1. (अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए :2

(1) गोबर्धन ने हलवाई से .....

(अ) ढाई सेर मिठाई खरीदी।

(ब) साढ़े तीन सेर मिठाई खरीदी।

(क) साढ़े चार सेर मिठाई खरीदी।

(2) चारों तरफ से प्रश्नों की बौछार और .....

(अ) रामू की बहू सिर झुकाए बैठी।

(ब) उत्तर देने वाला कोई नहीं।

(क) रामू की माँ पंडित जी के इंतजार में बैठी है।

(आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए। पूर्ण वाक्य लिखकर शब्द को अधोरेखित कीजिए : 3

(1) पंडित परमसुख की बात से पंच प्रभावित हुए।

(2) आवाज़ लगाना बदस्तूर जारी था ही था।

(3) पहाड़ों का घी बहुत शुद्ध होता है।

(इ) निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित

गद्यपाठों के आधार पर केवल एक-एक वाक्य में लिखिए :

3

(1) गांधीजी कहाँ ठहरे थे?

(2) लेखक ने किसकी आँखों में टावेल लगाया?

(3) रात में मंगली ने अपने बच्चों को क्या बताया?

(4) कलाखान के जंगलों में कौन निरंतर रट लगाने लगी?

(5) पलाश के लाल-लाल फूल किसके समान दिखाई देते हैं?

(ई) निम्नलिखित दो वाक्यों में से कोई एक वाक्य किसने, किस संदर्भ में कहा है?

पठित गद्यपाठ के आधार पर लिखिए :

3

(1) “अब आप असुर की कविता सुनिए।”

(2) “सिक्योरिटी” तो हम देखेंगे।”

(उ) निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार

पर संक्षेप में (50-60 शब्दों तक) लिखिए :

9

(1) कबरी बिल्ली ने रामू की बहू को किस प्रकार तंग किया?

(2) विनोबा भावे जी हमें पाठ द्वारा क्या सीख देना चाहते हैं?

(3) फूड इन्स्पेक्टर ने किसकी सैंपल की बोतलें और क्यों फावर्ड कीं?

(4) 'सच्ची संपन्नता' किसे कह सकते हैं? पठित पाठ द्वारा स्पष्ट कीजिए।

(5) पलाश बहूपयोगी वृक्ष क्यों है?

(ऊ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक

एक वाक्य में लिखिए :

3

“भ्रष्टाचार के घूस रेट फिक्स हैं। अगर तू बीस सेर में दस सेर दूध लाता है तो पाँच रुपए हफ्ता देना पड़ेगा। ज्यादा जल डालेगा तो हफ्ते के रेट भी बढ़ जायेंगे।”

“अगर मैं बिल्कुल न मिलाऊँ तो ?”

चपरासी खीझ जाता। कहता, “अबे, पानी तो मिलाया ही कर। वरना तू क्या खाएगा” और हम क्या खाएँगे? हमारे साहब को भी दूध में पानी मिलाने में एतराज नहीं है। उन्हें एतराज है, हफ्ता न देने का। अब तू जा और दूसरे दूध वालों को भी समझा दे। मिल-जुलकर जो होता है, वह भ्रष्टाचार नहीं होता।”

(1) चपरासी के अनुसार हफ्ते के रेट कब बढ़ेंगे?

(2) चपरासी दूध वाले को किस बात के लिए उकसाता है?

(3) चपरासी सामूहिक भ्रष्टाचार का समर्थन कैसे करता है?

2.(अ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पदयपाठों में प्रयुक्त शब्दों से

कीजिए। शब्दों को अधोरेखांकित कीजिए :

3

(1) गुण हो जन-मन \_\_\_\_\_ ताज हो।

(2) दरवाज़े \_\_\_\_\_ खुलने लगीं गली-गली।

(3) वह किसी की व्यक्तिगत \_\_\_\_\_ है।

(आ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पठित पदयपाठों के आधार पर केवल एक-एक वाक्य

में लिखिए :

3

(1) मेघ को किसने जुहार किया?

(2) किसकी निशा बीत रही है?

(3) गोपियाँ कृष्ण की शिकायत किससे करती हैं?

(इ) निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर गए प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए : 3

दूर तक जमीन पर शानदार जय लिखो,  
तुम विशाल सिंधु पर खून से विजय लिखो।  
तोड़ दो पिशाच के तुम हरेक जाल को,

(1) शूरवीर बालकों को जमीन पर क्या करना है?

(2) पिशाच से क्या तात्पर्य है?

(3) किस पर खून से विजय लिखना है?

(ई) निम्नलिखित पठित पदय-खंड का सरल गद्यार्थलिखिए : 3

खग, उड़ते रहना जीवन भर !

भूल गया है तु अपना पथ,

और नहीं पंखों में भी गति,

किंतु लौटने पीछे पाठ पर अरे, मौत से भी है बदतर।

(उ) निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पदयपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए: 6

(1) कबीर जी ने ईश्वर से जीवन चलाने हेतु क्या माँगा है?

(2) कवि रहीम ने धन और इज्जत के बारे में क्या कहा है?

(3) कवि स्वार्थ और नींद के भाव से जागकर क्या करने की प्रेरणा देता है?

(4) कवि ने देश के बालकों को कौन-सी जिम्मेदारियाँ सौंपी हैं?

3. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए :

8

- (1) तुलसी में कौन-कौनसे औषधीय गुण हैं?
- (2) थिंफू नरेश कहाँ रहते हैं और क्यों?
- (3) रामकृष्ण परमहंस ने नवयुवक को मुक्ति का क्या मार्ग बतलाया?
- (4) अतिथिशाला के माली का वर्णन कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित पठित दो पूरक पाठों में से किसी एक का सार लिखिए :

- (1) अपनी-अपनी बीमारी
- (2) टेसी थॉमस।

(अ) निम्नलिखित दो शब्दों में से किसी एक शब्द का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1

(1) और -

(2) छि! छि! -

(आ) निम्नलिखित दो वाक्यों में से किसी एक वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए :

1

(1) बारिश अकस्मात् आ पहुँची।

(2) पेड़ के ऊपर पंछी बैठा है।

(इ) कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार निम्नलिखित दो वाक्यों में से किसी एक वाक्य का काल-परिवर्तन कीजिए :

1

(1) मेहमान पहली बार आता है। (अपूर्ण भूतकाल)

(2) वह कोई समाधान पा लेता है। (सामान्य भविष्यकाल)

(ई) निम्नलिखित दो वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए :

1

(1) उसके आँसुओं ने स्पीड पकड़ ली।

(2) तुम भ्रष्टाचार छोड़ दो।

अथवा

निम्नलिखित दो क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(1) होना -

(2) पाना -

(उ) निम्नलिखित दो क्रियाओं में से किसी एक क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए :

1

(1) बोलना

(2) पिसना।

अथवा

निम्नलिखित दो वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रिया रूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :

(1) माँ ने बहू से कहकर नौकर द्वारा खाना मँगाया।

(2) मैंने भगवान के मंदिर में पाँच रुपयों का प्रसाद चढ़ाया।

(ऊ) निम्नलिखित तीन वाक्यों में से कोई दो वाक्य शुद्ध करके लिखिए :

2

(1) उनकी हाथ जल गई।

(2) तुम्हें मज़ाक करनी सूझती है।

(3) वह नहाने की कमरे की ओर चले गया।

अथवा

निम्नलिखित तीन वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों में योग्य विराम-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :

(1) अब चपरासी कहता अबे समझा नहीं

(2) मैं पैसे देता हूँ ला सकते हो

(3) वाह वाह बड़ा आनंद है

(ए) निम्नलिखित पाँच मुहावरों में से किन्हीं तीन मुहावरों के हिंदी अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

3

(1) लोट-पोट हो जाना :

(2) कान खड़े रहना :

(3) मुँह फेरना :

(4) सिर पर उठाना :

(5) कानों में गूँजना :

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से अधोरेखांकित तीन वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :

(निगाह न डालना, सिर झुकाना, दहाड़ें मारकर रो पड़ना, फूला न समाना)

1) दरबारी के सामने माल चोरी हो रहा था, पर उसने ध्यान नहीं दिया।

2) एक मामूली पहलवान ने लंबी-चौड़ी बातें करने वाले पहलवान को हरा कर उसको लज्जित कर दिया।

3) माँ की मृत्यु की खबर पाकर सुधीर जोर-जोर से रोने लगा।

5. निम्नलिखित चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 150 से 200 शब्दों तक निबंध लिखिए :

10

- (1) विज्ञान के चमत्कार;
- (2) 'समय बड़ा बलवान'
- (3) 'वृक्ष लगाओ देश बचाओ'
- (4) 'भ्रष्टाचार'

(अ) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक दो पत्रों में से किसी एक पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए :

4

- (1) मा.सचिव, महाराष्ट्र, राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडल, भांबुर्डा पुणे को चंद्रकांत/चन्द्रिका येवळे, 441, शिवांजली, प्रतापनगर, नांदेड से आवेदन-पत्र लिखकर लिपिक की नौकरी के लिए प्रार्थना करता/करती है।
- (2) अरुण/अरुणा पाटील, माधवबाग, सांगली से मा. व्यवस्थापक क्वालिटी स्पोर्ट्स, अप्पा बलवंत चौक को क्रिकेट खेल की सामग्री मँगाते हुए पत्र लिखता? लिखती है।

अथवा

निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए :

आरोग्य सेवा संबंधी एक वैद्य द्वारा दिए गए विज्ञापन का प्रारूप तैयार कीजिए।



(आ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए। उसे उचित शीर्षक देकर यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है : 4

चार चोर \_\_\_\_ धन चुराना \_\_\_\_ बँटवारे के लिए जंगल में जाना \_\_\_\_ भूख लगना \_\_\_\_ दोनों का मिठाई लाने नगर में जाना \_\_\_\_ मन में पाप \_\_\_\_ मिठाई में जहर मिलाना \_\_\_\_ जंगल के दोनों चोरों की भी नीयत बिगड़ना \_\_\_\_ हाथ-मुँह धोने के बहाने कुएँ पर ले जाना \_\_\_\_ कुएँ में धकेलना \_\_\_\_ शेष दोनों का मिठाई खाना \_\_\_\_ परिणाम।

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्य-खंड पर आकलन हेतु चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हों : 4

मनुष्य जहाँ जन्म लेता है, जहाँ की धूल में खेलकर बड़ा होता है, वहाँ से उसे स्वाभाविक लगाव हो जाता है। वह सभी लोग उसके जाने-पहचाने हो जाते हैं। लगभग सभी उसके समान भाषा बोलते हैं, और सबका रहन-सहन भी एक-सा होता है। ऐसी दशा में, वहाँ के लोगो से उसकी ममता होना स्वाभाविक है। उसका मन जन्मभूमि के लिए सदैव उत्सुक रहता है। जन्मभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ है। उसके प्रति प्रेम भावना रखना हमारा कर्तव्य है। देश की उन्नति में ही हमारी उन्नति है।

M.S.B Board

कक्षा : 10

हिंदी – 2015

समय: 3 घंटे

पूर्णांक : 80

---

सूचना :-निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देश के अनुसार लिखिए। उत्तर स्पष्ट,सुंदर एवं पठनीय हस्ताक्षर में लिखिए।

1. (अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए :2

(1) गोबर्धन ने हलवाई से .....

(अ) ढाई सेर मिठाई खरीदी।

(ब) साढ़े तीन सेर मिठाई खरीदी।

(क) साढ़े चार सेर मिठाई खरीदी।

(2) चारों तरफ से प्रश्नों की बौछार और .....

(अ) रामू की बहू सिर झुकाए बैठी।

(ब) उत्तर देने वाला कोई नहीं।

(क) रामू की माँ पंडित जी के इंतजार में बैठी है।

(आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए। पूर्ण वाक्य लिखकर शब्द को अधोरेखित कीजिए : 3

(1) पंडित परमसुख की बात से पंच प्रभावित हुए।

(2) आवाज़ लगाना बदस्तूर जारी था ही था।

(3) पहाड़ों का घी बहुत शुद्ध होता है।

(इ) निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल एक-एक वाक्य में लिखिए : 3

(1) गांधीजी कहाँ ठहरे थे?

गांधीजी आनंद भवन में ठहरे थे।

(2) लेखक ने किसकी आँखों में टावेल लगाया?

लेखक ने फ़ूड इन्स्पेक्टर की आँखों में टावेल लगाया।

(3) रात में मंगली ने अपने बच्चों को क्या बताया?

रात में मंगली ने अपने बच्चों को बताया कि होटल में बहुत बड़े साहब आए थे और उनके लिए खास भोजन बना था।

(4) कलाखान के जंगलों में कौन निरंतर रट लगाने लगी?

कलाखान के जंगलों में चिड़िया निरंतर रट लगाने लगी।

(5) पलाश के लाल-लाल फूल किसके समान दिखाई देते हैं?

पलाश के लाल-लाल फूल आग की लपटों के समान दिखाई देते हैं।

(ई) निम्नलिखित दो वाक्यों में से कोई एक वाक्य किसने, किस संदर्भ में कहा है?

पठित गद्यपाठ के आधार पर लिखिए :

(1) “अब आप असुर की कविता सुनिए।”

उपर्युक्त वाक्य शुक्लजी के मित्र ने शुक्लजी की कविता के संदर्भ में कहा।

(2) “सिक्क्योरिटी” तो हम देखेंगे।”

उपर्युक्त वाक्य कलेक्टर के पी.ए ने लंच के मेनू को बदलने के संदर्भ में कहा।

(3) निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में (50-60 शब्दों तक) लिखिए : 9

(1) कबरी बिल्ली ने रामू की बहू को किस प्रकार तंग किया?

उत्तर : प्रस्तुत प्रश्न लेखक भगवतीचरण वर्माजी द्वारा लिखित

‘प्रायश्चित’ नामक पाठ से लिया गया है। वर्माजी ने इस पाठ में यह बताया है कि कबरी बिल्ली ने रामू की बहू को किस प्रकार तंग कर रखा था।

रामू की बहू को ससूराल में सभी सुख थे, पर वह घर की कबरी बिल्ली से परेशान थी। सास ने घर की सारी जिम्मेदारियाँ उसे सौंप दीं। भंडारघर की चाबियाँ उसकी कमर में लटकने लगीं, नौकरों पर उसका हुक्म चलने लगा। सास ने भी माला ली और पूजापाठ में लग गई। रामू की बहू दूध ढककर मिसरानी को सामग्री देने जाती, लौटती तब तक दूध गायब हो जाता था। कबरी बिल्ली के कारण खाना-पीना मुश्किल हो गया था। दूध से भरी कटोरी हो या बाजार से लाई हुई मलाई, देखते ही कबरी के पेट में पहुँच जातीं।

इस प्रकार कबरी बिल्ली ने अपने उत्पातों से रामू की बहू को तंग कर रखा था।

(2) विनोबा भावे जी हमें पाठ द्वारा क्या सीख देना चाहते हैं?

उत्तर : प्रस्तुत प्रश्न लेखक विनोबा भावे जी द्वारा लिखित “वाणी का सदुपयोग” नामक पाठ से लिया गया है। इसमें लेखक ने सही वाणी या उचित वाणी का महत्व बताया है।

वाणी मनुष्य को ईश्वर की दी हुई एक बड़ी देन है। मनुष्य के जीवन में वाणी अर्थात् बोलचाल का विशेष महत्व होता है।

किस समय पर क्या बोलना है, कितना बोलना है, इन सब बातों को ध्यान में रखना चाहिए। विषय से हटकर नहीं बोलना चाहिए। विशेष विचारों को विशेष शब्दों में व्यक्त करना चाहिए, ताकि सामनेवाले व्यक्ति को उसका महत्त्व समझ में आ जाए। मनुष्य जितना संयमित होकर अपने विचार प्रकट करेगा उसके विचार उतने ही प्रभावकारी और अर्थपूर्ण होंगे।

मनुष्य की अच्छाई-बुराई अथवा उसका आचरण उसकी वाणी से पहचाना जाता है। वाणी ही मस्तिष्क में उठने वाले विचारों तथा चिंतन को प्रकट करने का सशक्त साधन है। मनुष्य के सारे चिंतनशास्त्रों का आधार वाणी ही रही है। दर्शनों का भी यही प्रयास रहा है कि विचारों को सही वाणी में पेश किया जाए। गंभीर चिंतन करने वाले अपने विचार प्रकट करने के लिए उपयुक्त वाणी की खोज में रहते हैं।

इस प्रकार मनुष्य के जीवन में सटीक वाणी ही उपयोगी और महत्वपूर्ण है। इसीलिए बोलते समय सोच-समझकर, विचार करके बोलना चाहिए।

(3) फ़ूड इन्स्पेक्टर ने किसकी सैंपल की बोतलें और क्यों फावर्ड कीं?

उत्तर : प्रस्तुत प्रश्न 'राजा हरीशचंद्र के आँसू' नामक पाठ से लिया गया है इसके लेखक 'अजातशत्रु जी' हैं। यहाँ पर फूड इंस्पेक्टर के कर्तव्यपरायणता के पीछे छिपे भ्रष्टाचार को उजागर किया गया है।

प्रस्तुत पाठ का फूड इंस्पेक्टर रिश्वतखोर था। वह दूधवालों से हफ्ता वसूला करता था। एक बार एक नए ग्वाले ने उसे रिश्वत न दी तो उसने उस ग्वाले के दूध पर डिग्री लगा दी। उसे लगा इससे वह ग्वाला भागता हुआ उसके पास आएगा और उसे रिश्वत दे देगा परन्तु तीन दिन बीत जाने के बाद भी वह ग्वाला फूड इंस्पेक्टर के पास नहीं आया। कानून के अनुसार सैंपल की बोतलों को आगे जाँच के लिए फॉरवर्ड करना पड़ता था इसलिए मज़बूरी में उसे सैंपल की बोतलों को आगे भेजना पड़ा।

(4) 'सच्ची संपन्नता' किसे कह सकते हैं? पठित पाठ द्वारा स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: प्रस्तुत प्रश्न 'सच्ची संपन्नता' नामक पाठ से लिया गया है जिसके लेखक 'राजेंद्र श्रीवास्तव जी' हैं। इस प्रश्न के माध्यम से सांसारिक वैभव की संपन्नता तथा गरीबों दोनों का मंथन करके सच्ची संपन्नता को परिभाषित किया गया है।

लोग प्रायः धन की विपुलता से प्राप्त ऐश-आराम को ही संपन्नता समझते हैं। विनायक बाबू को साहब के बंगले में इसी संपन्नता के दर्शन होते हैं। सांसारिक दृष्टि से बड़े साहब संपन्न व्यक्ति हैं, क्योंकि उनके पास बंगला, गाड़ी आदि सुख-सुविधाएँ हैं। किन्तु यह सब होने से कोई संपन्न नहीं होता। यह समाज के लिए अनिष्टकारी है। सच्ची संपन्नता जीवन मूल्यों, आदर्शों व संस्कारों में निहित है।

प्रस्तुत कहानी के बड़े साहब, उनकी बीवी और बच्चे चमक-दमक की जिस रंगीन दुनिया में रहते हैं, वहाँ सबकुछ है परंतु अपनों में इज्जत नहीं है, आत्मीयता व प्यार नहीं है। सच्चे सुख के लिए तरसते तथाकथित संपन्न लोग सचमुच बहुत गरीब हैं। दूसरी तरफ विनायक बाबू का परिवार है। उनके पास बंगला, गाड़ी आदि सुख-सुविधाएँ नहीं हैं। बस एक छोटे से कमरे में उनका परिवार किसी तरह अपना जीवन गुजर रहा है। किन्तु विनायक बाबू खुश हैं कि उनके पास साथ देनेवाली पत्नी, अभावों में भी जिंदगी के प्रति आशावादी दृष्टिकोण रखनेवाली पुत्रियाँ तो हैं। यह संपन्नता उन्हें असीम सुख और संतोष देती है।

(5) पलाश बहुपयोगी वृक्ष क्यों है?

उत्तर : प्रस्तुत प्रश्न 'पलाश' नामक पाठ से लिया गया है। इसके लेखक 'डॉ. परशुराम शुक्ल जी' हैं। इस पाठ में लेखक ने इस वृक्ष की उपयोगिता बताई है।

इसके विभिन्न अंगों का उपयोग औषधि बनाने के लिए किया जाता है। पलाश की लकड़ी से छोटे-छोटे तख्ते, कुएँ के चाक तथा इसी प्रकार की वस्तुएँ तैयार की जाती हैं। इसकी लकड़ी जलाने के लिए उपयुक्त मानी जाती है। पलाश की पत्तियाँ हाथियों का प्रिय भोजन है। पलाश के तने, छाल और इसकी जड़ों से कागज़ बनाया जाता है। इसकी छाल और जड़ों के रेशे वाले भाग का उपयोग रस्सियाँ बनाने में किया जाता है। पलाश के पत्तों का उपयोग दोने-पत्तल बनाने के लिए भी किया जाता है।

इस तरह से पलाश बहुपयोगी वृक्ष है।

(ऊ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक

एक वाक्य में लिखिए :

3

“भ्रष्टाचार के घूस रेट फिक्स हैं। अगर तू बीस सेर में दस सेर दूध लाता है तो पाँच रुपए हफ्ता देना पड़ेगा। ज्यादा जल डालेगा तो हफ्ते के रेट भी बढ़ जायेंगे।”

“अगर मैं बिल्कुल न मिलाऊँ तो ?”

चपरासी खीझ जाता। कहता, “अबे, पानी तो मिलाया ही कर। वरना तू क्या खाएगा” और हम क्या खाएँगे? हमारे साहब को भी दूध में पानी मिलाने में एतराज नहीं है। उन्हें एतराज है, हफ्ता न देने का। अब तू जा और दूसरे दूध वालों को भी समझा दे। मिल-जुलकर जो होता है, वह भ्रष्टाचार नहीं होता।”

(1) चपरासी के अनुसार हफ्ते के रेट कब बढ़ेंगे?

चपरासी के अनुसार हफ्ते के रेट पानी ज्यादा डालने से बढ़ेंगे।

(2) चपरासी दूध वाले को किस बात के लिए उकसाता है?

चपरासी दूध वाले को दूध में पानी मिलाने के लिए उकसाता है ।

(3) चपरासी सामूहिक भ्रष्टाचार का समर्थन कैसे करता है?

चपरासी सामूहिक भ्रष्टाचार का समर्थन इस वाक्य द्वारा करता है -

‘मिल-जुलकर जो होता है, वह भ्रष्टाचार नहीं होता’।

2.(अ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पदयपाठों में प्रयुक्त शब्दों से

कीजिए। शब्दों को अधोरेखांकित कीजिए :

3

(1) गुण हो जन-मन किरीट ताज हो।



(2) दरवाज़े खिड़कियाँ खुलने लगीं गली-गली।

(3) वह किसी की व्यक्तिगत आलोचना है।

(आ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल एक-एक वाक्य में लिखिए : 3

(1) मेघ को किसने जुहार किया?

उत्तर : मेघ को बूढ़े पीपल के वृक्ष ने जुहार किया।

(2) किसकी निशा बीत रही है?

उत्तर : कवि के अनुसार अब दुखों की निशा बीत रही है।

(3) गोपियाँ कृष्ण की शिकायत किससे करती हैं?

उत्तर : गोपियाँ कृष्ण की शिकायत माता यशोदा से करती हैं।

(इ) निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर गए प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए : 3

दूर तक जमीन पर शानदार जय लिखो,  
तुम विशाल सिंधु पर खून से विजय लिखो।  
तोड़ दो पिशाच के तुम हरेक जाल को,

(1) शूरवीर बालकों को जमीन पर क्या करना है?

उत्तर : शूरवीर बालकों को जमीन पर जय लिखना है।

(2) पिशाच से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : लेखक ने देश के दुश्मनों को पिशाच (राक्षस) कहा है।

(3) किस पर खून से विजय लिखना है?

(ई) निम्नलिखित पठित पदय-खंड का सरल गद्यार्थलिखिए :

3

खग, उड़ते रहना जीवन भर !

भूल गया है तु अपना पथ,

और नहीं पंखों में भी गति,

किंतु लौटने पीछे पाठ पर अरे, मौत से भी है बदतर।

उत्तर : इन पंक्तियों द्वारा आकाश में उड़ने वाले खग को संदेश दिया गया है कि हे खग! परिस्थिति चाहे जैसी हो, तू उससे हार मत मान। तू हिम्मत से उसका सामना करते हुए सतत् आगे बढ़ता रह। तेरे गतिहीन पंखों में अब भी रफ्तार बाकि है। तू अपना पथ भूल गया है परंतु यह सोचकर कि अब मैं मंजिल तक नहीं पहुँच सकता, पीछे वापस लौटना कायरता है। तू निराश न हो बस उड़ता रह, तेरा साहस ही तुझे तेरी मंजिल तक पहुँचाएगा।

(उ) निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पदयपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए:

6

(1) कबीर जी ने ईश्वर से जीवन चलाने हेतु क्या माँगा है?

उत्तर : प्रस्तुत प्रश्न 'कबीर' द्वारा लिखित 'कबीर के दोहे' नामक कविता से लिया गया है। प्रस्तुत प्रश्न में कवि ने संतुष्टि का भाव दर्शाया है।

कबीर यहाँ पर ईश्वर से सीमित धन की माँग करते हैं। कबीर ईश्वर से इतने ही धन की माँग करते हैं जिससे उनके परिवार का पालन-पोषण हो जाए और उनके घर आने वाले अतिथि को भी वे भरपेट भोजन खिला पाएँ।

इस प्रकार कवि ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे उसे इतना समर्थ और सबल बनाए जिससे वे अपने परिवार तथा अतिथि को भरपेट भोजन खिला पाएँ।

(2) कवि रहीम ने धन और इज्जत के बारे में क्या कहा है?

उत्तर : प्रस्तुत प्रश्न कवि 'रहीम' द्वारा लिखित 'रहीम के दोहे' नामक कविता से लिया गया है इसमें कवि ने धन की तुलना में शील का महत्त्व समझाया है।

कवि रहीम के अनुसार जीवन में धन की अपेक्षा मनुष्य की इज्जत बड़ी होती है। कुछ न होते हुए भी शीलवान के पास सब-कुछ होता है और सब-कुछ होते हुए भी शीलहीन पुरुष अति दरिद्र होता है। धन का मूल्य बहुत कम है लेकिन प्रतिष्ठा कई अधिक मूल्यवान होती है।

इस सम्बन्ध में रहीम ने कुलवधू का उदहारण दिया है कि यदि कुलवधू शालीन है तो फटे कपड़ों में भी वह सुंदर लगती है कुलवधू के सच्चे आभूषण उसकी शालीनता ही होते हैं।

अतः हमें अपने शील और इज्जत की यत्नपूर्वक रक्षा करनी चाहिए क्योंकि उसी से हमारी पहचान होती है, और मानव का उत्थान होता है।

(3) कवि स्वार्थ और नींद के भाव से जागकर क्या करने की प्रेरणा देता है?

उत्तर : प्रस्तुत प्रश्न कवि सुमित्रानंदन पन्त जी द्वारा लिखित 'जनगीत' नामक कविता से लिया गया। इसमें कवि ने मनुष्य को अपनी संकुचित मानसिकता को त्यागकर लोक-कल्याण के कार्यों के लिए प्रेरित किया है।

कवि कहता है कि हमें अपने निजी स्वार्थों को त्यागकर जनसेवा और लोक कल्याण के कार्य को करना चाहिए। जिससे स्वयं की, समाज की और देश की प्रगति संभव हो सके।

अतः नए युग की नई सुबह की को सार्थक बनाने के लिए यह आवश्यक है कि हम सभी अपने निहित स्वार्थ छोड़कर नई उमंग व नए जोश के साथ लोक कल्याण के महान कार्यों के लिए समर्पित हो जाएँ।

(4) कवि ने देश के बालकों को कौन-सी जिम्मेदारियाँ सौंपी हैं?

उत्तर : प्रस्तुत प्रश्न कवि 'रामवतार त्यागी जी' द्वारा लिखित 'थाम लो सँभालकर' नामक कविता से लिया गया। इस कविता में कवि ने देश के नवयुवकों को देश की बागडोर सँभालकर उसे आगे प्रगति के पथ पर ले जाने का संदेश दिया है।

कवि नई पीढ़ी के बालकों में देश के उज्ज्वल भविष्य की अनंत संभावनाएँ देखता है। कवि चाहता है कि यह पीढ़ी कुछ ऐसे अनुकरणीय कार्य करें जो आने वाली पीढ़ी के लिए मिसाल बन सकें। कवि यह भी चाहता है कि आज के बालक समाज में व्याप्त गरीबी, शोषण असमानता आदि के अंधकार को दूर कर समानता, न्याय सच्चाई आदि के प्रकाश को जन-जन तक पहुँचाएँ। अपनी लगन और मेहनत से सदैव उत्तम कार्य करें।

इसप्रकार कवि ने देश के बालकों को देश को नई दिशा देने, अनुकरणीय कार्य करने और देश की रक्षा की जिम्मेदारियाँ सौंपी हैं ।

3. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए :

8

(1) तुलसी में कौन-कौनसे औषधीय गुण हैं?

उत्तर : प्रस्तुत प्रश्न 'तुलसी का बिरवा' नामक पाठ से लिया गया है। इसमें बताया गया है कि तुलसी पौधे में अनेकों बीमारियों को दूर करने की क्षमता व गुण है।

तुलसी का पौधा मनुष्य के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है। यह वातावरण की वायु को शुद्ध रखती है। मच्छर तथा कीटाणुओं और पतंगों को दूर भगाती है। इसकी सुगंध अनेक रोगों के कीटाणुओं को भी नष्ट कर देती है। इटली और ग्रीस के लोगों को बहुत पहले ही तुलसी के पौधे में निहित औषधीय गुणों का पता चल गया था। वे इसका उपयोग चूहे व कीड़े भगाने के लिए किया करते थे। उनके यहाँ तुलसी कीड़े भगाने के लिए आज भी उपयोग में लाई जाती है। खाँसी, जुकाम, गले की बीमारियों तथा मलेरिया आदि में उबले पानी या चाय के साथ इसका सेवन लाभकारी होता है। वैज्ञानिक अनुसंधानों से यह बात साबित हो चुकी है कि इसके बीजों से निकलने वाला तेल टी.बी. या यक्ष्मा के रोग का नाश कर डालता है।

भारत में तुलसी की पत्ती के साथ-साथ मंजरी को भी औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। छोटे बच्चों या शिशुओं को हिचकी लगते समय इसकी पत्ती की एक बिंदी बच्चे के माथे पर लगा देते हैं। गंदे स्थानों या कीटाणुओं वाली जगहों से लौटने के बाद लोग तुलसी की पत्ती मुँह में रखकर चबा लेते हैं। तुलसी की सुगंध सचमुच रोगाणुनाशी व संक्रमणहारी होती है।

इस प्रकार तुलसी के अनेकों औषधीय गुण हैं जिससे सभी लोग लाभान्वित होते हैं। अभी भी इसके अनेकों गुणों पर पर्दा पड़ा हुआ है। जिसके लिए वैज्ञानिक सतत प्रयत्नशील हैं।

अतः स्पष्ट है कि तुलसी में अद्भुत औषधीय गुणों का समावेश है।

(2) थिंफू नरेश कहाँ रहते हैं और क्यों?

उत्तर : थिंफू नरेश दूर जंगल में बनी हुई पर्णकुटी में रहते हैं। वे एक सादगी पसंद व्यक्ति हैं। उन्हें राजमहल के वैभव से दूर रहना पसंद है। इसलिए वे राजमहल में न रहकर वन की पर्णकुटी में रहते हैं और उनके राजमहल में राजमाता रहती हैं।

(3) रामकृष्ण परमहंस ने नवयुवक को मुक्ति का क्या मार्ग बतलाया?

उत्तर : प्रस्तुत प्रश्न 'साहसी बालक' नामक पाठ के अंत में दिए गए प्रेरक प्रसंगों में से एक है।

रामकृष्ण परमहंस एक पहुँचे हुए संत थे। एक बार एक नवयुवक उनका शिष्य बनने के लिए आया। उस नवयुवक की बूढ़ी माँ थी। जब रामकृष्ण ने उससे गुरुमंत्र लेकर साधु बनने का करण पूछा तो ज्ञात हुआ कि वह युवक मोह-माया से भरे संसार से मुक्ति पाना चाहता है।

तब रामकृष्ण परमहंस ने उसे समझाया कि अपनी माँ को असहाय छोड़कर उसे कभी भी मुक्ति नहीं मिल सकती है। उसकी असली मुक्ति माँ की सेवा ही है और शायद इसी मार्ग पर चलते-चलते उसे सचमुच मुक्ति मिल जाए।

इस प्रकार रामकृष्ण परमहंस ने उस नवयुवक को मुक्ति का सहज मार्ग बताया ।

(4) अतिथिशाला के माली का वर्णन कीजिए।

उत्तर : प्रस्तुत प्रश्न 'गंगाबाबू हैं कौन' नामक पाठ के से लिया गया है।

यह पाठ लेखिका शिवानी द्वारा लिखित एक प्रसिद्ध संस्मरण कथा है। इसमें लेखिका ने अतिथिशाला के माली का वर्णन किया है।

अतिथिशाला का माली एक लंबे कद का व्यक्ति था। उसका चेहरा स्याह था। उसकी मुस्कराहट में भी एक प्रकार की रहस्यमयता का अहसास होता था। खड़े होते हुए भी उसकी देह तिरछी हो जाती थी। उसने लेखिका को हिदायत दी कि वे अपना दरवाजा और खिड़की बंद रखें ताकि भयानक करैत साँप अंदर न आ सके। अपनी दिव्य वाणी की मिठास घोलकर और लंबे-लंबे ढग भरता वह जब चला गया तो लेखिका को ऐसा लगा मानो वह माली सीधे परलोक से चला आ रहा कोई यमालय का माली हो।

इस प्रकार अतिथिशाला का माली अपने आप में एक विचित्र व्यक्ति था।

अथवा

निम्नलिखित पठित दो पूरक पाठों में से किसी एक का सार लिखिए :

(1) अपनी-अपनी बीमारी

उत्तर : श्री. हरिशंकर परसाई द्वारा लिखित 'अपनी-अपनी बीमारी' नामक पाठ से लिया गया है। इसमें लेखक ने चंदे के प्रति, माँगनेवाले और देनेवालों की प्रतिक्रिया अभिव्यक्त की है। लेखक ने अमीरी और गरीबी के अंतर को व्यंग्यात्मक ढंग से स्पष्ट किया है।

एक गरीब व्यक्ति किसी अमीर व्यक्ति के पास चंदा माँगने जाता है। चंदे के पुराने अभ्यासी का चेहरा बोलता है। दोनों ही, चेहरे के हाव-भाव से एक-दूसरे को भाँप जाते हैं। दोनों एक दूसरे को शरीर की गंध भी बखूबी पहचानते हैं। लेनेवाला गंध से जान लेता है कि यह चंदा देगा या नहीं। देनेवाला भी

माँगनेवाले के शरीर की गंध से समझ लेता है कि यह चंदा लिए बगैर वापस नहीं जाएगा।

लेखक बैठते ही समझ जाते हैं कि सामनेवाला व्यक्ति चंदा नहीं देगा। वे भी शायद समझ जाते हैं कि इन्हें टाला जा सकता है। फिर भी दोनों व्यक्ति अपना-अपना कर्तव्य निभाते हैं। लेखक ने चंदा माँगने के लिए प्रार्थना की। देनेवाले ने जवाब दिया कि आपको चंदे की पड़ी है, हम तो टैक्स भरते-भरते मरे जा रहे हैं।

चंदा माँगनेवाले लेखक को पहले से ही नकारात्मक प्रत्युत्तर की आशा थी। इस तरह चंदा माँगनेवाले और देने वाले अपनी-अपनी कला में अभ्यस्त होने के कारण एक-दूसरे को पहचान लेते हैं।

दुःख भी कैसे-कैसे होते हैं। अपना-अपना दुःख अलग होता है। उनका दुःख था कि टैक्स मारे डाल रहे हैं। अपना दुःख है कि प्रोपर्टी नहीं है जिससे अपने को भी टैक्स से मरने का सौभाग्य प्राप्त हो। हम कुल 50 रु. चंदा न मिलने के दुःख में मरे जा रहे थे।

मेरे पास एक आदमी आता था, जो दूसरों की बेईमानी की बीमारी से मरा जाता था। अपनी बेईमानी प्राणघातक नहीं होती, बल्कि संयम से साधी जाए तो स्वास्थ्यवर्द्धक होती है। कई पतिव्रताएँ दूसरी औरतों के कुलटापन की बीमारी से परेशान रहती हैं।

तभी एक बंधु अपना दुःख बताने लगता है। उसने 8 कमरों का मकान बनाने की योजना बनाई थी। 6 कमरे बन चुके हैं। 2 के लिए पैसे की तंगी आ गई है। दूसरे बंधु पुस्तक-



बेची थीं। इस साल 40 हजार की बिकीं। कहते हैं—बड़ी मुश्किल है। सिर्फ 40 हजार की किताबें इस साल बिकीं। ऐसे में कैसे चलेगा? तीसरे बंधु की रोटरी मशीन आ गई। अब मोनो मशीन आने में कठिनाई आ गई है। वे दुःखी हैं।

## (2) टेसी थॉमस।

उत्तर : आजकाल महिलाएँ विज्ञान, खेल, चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष अनुसंधान, रक्षा, कला तथा लेखन आदि अनेक क्षेत्रों में अभूतपूर्व सफलता अर्जित कर रही हैं।

जीवन के विविध क्षेत्रों में आधुनिक भारतीय महिलाओं ने अपनी उत्कृष्ट सेवाओं द्वारा जो अमूल्य योगदान दिया है, उस पर हर भारतीय गर्व का अनुभव करता है। खेल, चिकित्सा, वैज्ञानिक शोध, शिक्षण, अंतरिक्ष, अनुसंधान, रक्षा आदि विविध क्षेत्रों को आधुनिक भारतीय महिलाओं ने अपने अपूर्व साहस, कठिन परिश्रम, लगन एवं अपनी अतुलित बुद्धिमत्ता से जो गौरव प्रदान किया है, वह अभिमान करने योग्य है। इन्हीं महिलाओं में एक नाम है सुश्री टेसी थॉमस का। उन्होंने पुरुषों के वर्चस्व वाले मिसाइल जगत में आज जो मुकाम हासिल किया है, उसे उन्होंने अपने असीम धैर्य एवं साहस के साथ उत्कृष्ट योगदान से प्राप्त किया है। वे 19 अप्रैल को सफलतापूर्वक छोड़ी गई अग्नि - V मिसाइल की प्रोजेक्ट डाइरेक्टर (मिशन) थीं। टेसी थॉमस को सर्वप्रथम सन 1985 में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डी. आर. डी. ओ.) के एक कार्यक्रम के लिए चुना गया था। उन्होंने कुछ समय के लिए पुणे में डी. आर. डी. ओ. के लिए गाइडेड मिसाइलों की फैकल्टी के रूप में काम किया था। उस समय उन्हें डा.

ए .पी. जे. अब्दुल कलाम के नेतृत्व में काम करने का अवसर मिला था। फिर वे वीडकल और मिशन की प्रोजेक्ट डाइरेक्टर के रूप में अग्नि - IV की मुखिया बनीं। इसके बाद उनके कैरियर में तेजी से वृद्धि हुई। टेसी थॉमस को मिसाइल से इतना प्रेम है कि उन्होंने अपने बेटे का नाम तक भारत के हल्के कॉम्बैट जेट के नाम पर 'तेजस' रखा है। उन्होंने अपने आप को अग्नि मिसाइल के नवीनतम संस्करणों से जोड़ रखा है। वे इस बात पर गर्व करती हैं कि वे उस डी. आर. डी. ओ. संस्थान से संबद्ध हैं, जहाँ अनेक महिला वैज्ञानिक कार्य करती हैं। अग्नि - V की सफलता के बाद अब उनका लक्ष्य मल्टीपल इंडिपेंडेंट री-एंट्री वीडकल पर केन्द्रित है।

सुश्री टेसी थॉमस केरल के अलप्पुझा शहर की रहने वाली हैं और उनके पति सरोजकुमार पटेल एक नौसेना अधिकारी हैं।

(अ) निम्नलिखित दो शब्दों में से किसी एक शब्द का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1

(1) और - रीता और रानी दोनों बहने हैं।

(2) छि! छि! - छि ! छि ! क्या गंद मचा रखी है।

(आ) निम्नलिखित दो वाक्यों में से किसी एक वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए : 1

(1) बारिश अकस्मात् आ पहुँची।

क्रियाविशेषण अव्यय

(2) पेड़ के ऊपर पंछी बैठा है।

सम्बन्धबोधक अव्यय

(इ) कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार निम्नलिखित दो वाक्यों में से किसी एक वाक्य का काल-परिवर्तन कीजिए : 1

(1) मेहमान पहली बार आता है। (अपूर्ण भूतकाल)

मेहमान पहली बार आ रहा था।

(2) वह कोई समाधान पा लेता है। (सामान्य भविष्यकाल)

वह कोई समाधान पा ही लेगा।

(ई) निम्नलिखित दो वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए :

1

(1) उसके आँसुओं ने स्पीड पकड़ ली।

ली - लेना

(2) तुम भ्रष्टाचार छोड़ दो।

दो - देना

अथवा

निम्नलिखित दो क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(1) होना - मुझे अब गाँव जाना होगा।

(2) पाना - आज मैं घूमने नहीं जा पाया।

(उ) निम्नलिखित दो क्रियाओं में से किसी एक क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए :

1

(1) बोलना

बुलाना बुलवाना

(2) पिसना।

पिसाना पिसवाना

अथवा

निम्नलिखित दो वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रिया रूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :

(1) माँ ने बहू से कहकर नौकर द्वारा खाना मँगाया।

खाना मँगाया - द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया।

(2) मैंने भगवान के मंदिर में पाँच रुपयों का प्रसाद चढ़ाया।

प्रसाद चढ़ाया - प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया।

(ऊ) निम्नलिखित तीन वाक्यों में से कोई दो वाक्य शुद्ध करके लिखिए : 2

(1) उनकी हाथ जल गई।

उनका हाथ जल गया।

(2) तुम्हें मज़ाक करनी सूझती है।

तुम्हें मज़ाक करना ही सूझता है।

(3) वह नहाने की कमरे की ओर चले गया।

वह नहाने के कमरे की ओर चला गया।

अथवा

निम्नलिखित तीन वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों में योग्य विराम-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :

(1) अब चपरासी कहता अबे समझा नहीं

अब चपरासी कहता, 'अबे समझा नहीं'।

(2) मैं पैसे देता हूँ ला सकते हो

मैं पैसे देता हूँ, ला सकते हो?

(3) वाह वाह बड़ा आनंद है

वाह! वाह! बड़ा आनंद है।

(ए) निम्नलिखित पाँच मुहावरों में से किन्हीं तीन मुहावरों के हिंदी अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

3

(1) लोट-पोट हो जाना : अति प्रसन्न या मुग्ध हो जाना।

जोकर का करतब देखकर बच्चें हँसते-हँसते लोट-पोट हो गए।

(2) कान खड़े रहना : सचेत होना

दुश्मनों की आहट से सैनिकों के कान खड़े हो गए।

(3) मुँह फेरना : उपेक्षा करना।

राम के बुरे दिन आते ही सभी ने उससे मुँह फेर लिया।

(4) सिर पर उठाना : बहुत सम्मान करना।

जनता ने अपने भावी नेता को सिर पर उठा लिया।

(5) कानों में गूँजना : ध्वनित होना।

शिक्षक द्वारा दी गई सीख बड़े हो जाने पर भी कानों में गूँजती रहती है।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से अधोरेखांकित तीन वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :

(निगाह न डालना, सिर झुकाना, दहाड़ें मारकर रो पड़ना, फूला न समाना)

1) दरबारी के सामने माल चोरी हो रहा था, पर उसने ध्यान नहीं दिया।

दरबारी के सामने माल चोरी हो रहा था, पर उसने उस ओर निगाह तक न डाली।

2) एक मामूली पहलवान ने लंबी-चौड़ी बातें करने वाले पहलवान को हरा कर उसको लज्जित कर दिया।

एक मामूली पहलवान ने लंबी - चौड़ी बातें करने वाले पहलवान को हरा कर उसका सिर झुका दिया ।

3) माँ की मृत्यु की खबर पाकर सुधीर जोर-जोर से रोने लगा।

माँ की मृत्यु की खबर पाकर सुधीर दहाड़े मारकर रोने लगा।

5. निम्नलिखित चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 150 से 200 शब्दों तक निबंध लिखिए :

10

(1) विज्ञान के चमत्कार;

आज का युग विज्ञान का युग है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विज्ञान ने एक क्रांति पैदा कर दी है। विज्ञान का अर्थ है विशेष ज्ञान। मनुष्य ने अपनी आवश्यकताओं के लिए जो नए- नए आविष्कार किए हैं, वे सब विज्ञान की ही देन हैं।

बिजली की खोज विज्ञान की एक बहुत बड़ी सिद्धि है। आज मनुष्य ने विज्ञान की सहायता से कई बड़े क्षेत्रों में सफलता पाई है जैसे कि चिकित्सा, सूचना क्रांति, अंतरिक्ष विज्ञान, यातायात आदि।

यातायात-संबंधी वैज्ञानिक आविष्कारों ने संसार को एकदम छोटा कर दिया है। पहले जहाँ मानव को एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने में कई-कई वर्ष लग जाते थे वहीं आज मानव कई मील की दूरियों को हेलीकॉप्टर, हवाई जहाज, कार आदि द्वारा कम समय में पार कर लेता है।

आज रेडियो, टेलीविजन, डीवीडी प्लेयर, थ्रीडी सिनेमा, कम्प्यूटर, इंटरनेट आदि ऐसी कई चीजें हैं जिन्हें विज्ञान द्वारा मनुष्य के मनोरंजन के लिए उपलब्ध कराया है। मोबाइल, इंटरनेट, ईमेल, मोबाइल पर 3जी और इंटरनेट के माध्यम से फेसबुक, ट्विटर ने तो वाकई मनुष्य की जिंदगी को बदलकर ही रख दिया है।

चिकित्सा और कृषि के क्षेत्रों में भी नई नई खोजों से बहुत लाभ हुआ है। विज्ञान द्वारा खाद व उपकरण, खाद्य पदार्थ, वाहन, वस्त्र आदि बनाने के असीमित कारखाने हैं।

विज्ञान के युद्ध-विषयक अस्त्र शस्त्रों के आविष्कारों ने देश की सभ्यता और संस्कृति को खतरे में डाल दिया है। परमाणु बम और हाइड्रोजन बम भी विज्ञान की ही देन हैं। यह बहुत ही विनाशक हैं। विज्ञान का उपयोग विनाश के लिए नहीं, विकास के लिए होना चाहिए।

## (2) 'समय बड़ा बलवान'

समय निरंतर प्रवाहित जलधारा के समान है जो आगे ही बढ़ता है बिना किसी की प्रतीक्षा या विश्राम के। जो व्यक्ति समय के साथ आगे बढ़ सकता है, वही जीवन में सफल होता है। समय, सफलता की कुंजी है। समय का सदुपयोग ही व्यक्ति को विकास के मार्ग पर अग्रसर करता है। समय के महत्व को समझने वाला जीने की कला सीख लेता है। किसी ने समय की तुलना धन से की है। वास्तव में समय, धन से भी कहीं अधिक मूल्यवान है। धन तो आता-जाता रहता है, किन्तु गया हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता। जो समय की कद्र करता है, समय उसकी कद्र करता है। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण हैं कि सही समय पर सही निर्णय लेने वाले व्यक्ति ही जीवन में सफल हुए हैं।  
कबीर दास जी ने कहा है कि -

काल करै सो आज करए आज करै सो अब।

पल में परलै होयेगी, बहुरी करेगा कब॥

इसलिए मनुष्य अपने समय का विभाजन इस प्रकार करे ताकि उसके पास अध्ययन, व्यायाम, मनन-चिंतन आदि सभी कार्यों के लिए समय हो। समय विभाजन कर उसका सदुपयोग करना सीख लें तो भविष्य सुविधाजनक और सुखमय हो जाता है।

## (3) 'वृक्ष लगाओ देश बचाओ'

भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुसार पेड़ को देवता मानकर उनकी पूजा की जाती है। यह हमारे जीवन का आवश्यक अंग है। वृक्ष के बिना हम भी अधिक समय तक अपने अस्तित्व को जिंदा नहीं रख सकते। वन वातावरण में से कार्बन डाईऑक्साइड को कम करते हैं। वातावरण को शुद्ध बनाते हैं। बहुमूल्य ऑक्सीजन देते हैं। पेड़ हमें भोजन, घरों के निर्माण और फर्नीचर बनाने के लिए हमें लकड़ी प्रदान करते हैं। वे हमें ईंधन के लिए लकड़ी उपलब्ध कराते हैं। हमें विभिन्न प्रकार की जड़ी-बूटियाँ देते हैं। बढ़ती आबादी, शहरीकरण के कारण हरियाली तेजी से कम हो रही है। जितनी तेज़ी से हम इनकी कटाई कर रहे हैं, उतनी तेज़ी से ही हम अपनी जड़ें भी काट रहे हैं। वृक्षों के कटाव के कारण आज भयंकर स्थिति उत्पन्न हो गई है। पेड़ों का क्रूर वध हमारे विनाश में सहायक होगा। रेगिस्तान का विस्तार होगा, नदियाँ सूख जाएगी, पानी की कमी होगी, भूमि बंजर हो जाएगी, प्रकृति का संतुलन बिगड़ जाएगा। हमारा अस्तित्व उन पर निर्भर करता है इसलिए हमें पेड़ों की रक्षा करनी होगी। पर्यावरण की समस्याओं का एकमात्र समाधान पेड़ों की सुरक्षा है। सरकार ने जनमानस को जागृत करने के लिए 1950 में वन महोत्सव कार्यक्रम आरंभ किया। पर्यावरण को बचाने के लिए यह हमारे जागने का वक्त है। सिर्फ जागने का ही नहीं, कुछ करने का भी। इसके लिए जरूरी है कि हम पेड़ लगाएँ। विनोबा भावे ने हर व्यक्ति को एक पेड़ लगाना चाहिए यह संदेश दिया है। प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना होगा कि वन ही जीवन है, इस वन-जीवन से हम प्यार करें और वृक्षों को लगाकर इसकी रक्षा करें।

#### (4) 'भ्रष्टाचार'

भ्रष्टाचार अर्थात् भ्रष्ट + आचार। भ्रष्ट यानी बुरा या बिगड़ा हुआ तथा आचार का मतलब है आचरण। अर्थात् भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है भ्रष्ट किसी भी प्रकार से अनैतिक और अनुचित हो। आज भारत में ऐसे कई व्यक्ति मौजूद हैं जो भ्रष्टाचारी हैं।



आज हम अपने चारों ओर भ्रष्टाचार के अनेक रूप देख सकते हैं जैसे रिश्वत, काला-बाजारी, जान-बूझकर दाम बढ़ाना, पैसा लेकर काम करना, सस्ता सामान लाकर महँगा बेचना आदि।

भ्रष्टाचार की लगी अगन है,

जिसने कर दिया मूल्यों का दहन है।

भ्रष्टाचार ने भयानक रोग की तरह हमारे समाज को खोखला कर दिया है। आज के आधुनिक युग में व्यक्ति का जीवन अपने स्वार्थ तक सीमित होकर रह गया है। प्रत्येक कार्य के पीछे स्वार्थ प्रमुख हो गया है। असमानता, आर्थिक, सामाजिक या सम्मान, पद-प्रतिष्ठा के कारण भी व्यक्ति अपने आपको भ्रष्ट बना लेता है। भारत के अंदर तो भ्रष्टाचार का फैलाव दिन-भर-दिन बढ़ रहा है। भ्रष्टाचार को तीन प्रमुख वर्गों में विभक्त कर सकते हैं : राजनीतिक, प्रशासनिक और व्यावहारिक। आज सरकारी व गैरसरकारी विभाग से लेकर शिक्षा के मंदिर माने जाने वाले स्कूल व कॉलेज भी इस भ्रष्टाचार से अछूते नहीं हैं। भ्रष्टाचार हमारे नैतिक जीवन मूल्यों पर सबसे बड़ा प्रहार है। भ्रष्टाचार के कारण भारतीय संस्कृति का पतन हो रहा है। भ्रष्टाचार दूर करने के लिए हमें शिक्षण द्वारा व्यक्ति के मनोबल को उँचा उठाना होगा। सबके लिए उचित रोज़गार उपलब्ध कराना होगा। समाज में विभिन्न स्तरों पर फैले भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कठोर दंड-व्यवस्था उपलब्ध करानी चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते हुए अपने को इस भ्रष्टाचार से बाहर निकालना होगा। हमें प्रशासन व शासन की व्यवस्था को पूरी तरह स्वच्छ व पारदर्शी बनाना होगा।

(अ) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक दो पत्रों में से किसी एक पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए :

4

- (1) मा.सचिव, महाराष्ट्र, राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडल, भांबुर्डा भडा डरा पुणे को चंद्रकांत/चन्द्रिका येवळे, 441, शिवांजली, प्रतापनगर, नांदेड से आवेदन-पत्र लिखकर लिपिक की नौकरी के लिए प्रार्थना करता/करती है।

चन्द्रिका येवळे,  
441, शिवांजली,  
प्रतापनगर, नांदेड।  
दिनांक : 10 जनवरी 2015

सेवा में,  
मा.सचिव,  
महाराष्ट्र, राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडल,  
भांबुर्डा, पुणे।

विषय : लिपिक की नौकरी के लिए आवेदनपत्र।

माननीय महोदय,  
गत हफ्ते 'महाराष्ट्र टाइम्स' से मुझे ज्ञात हुआ कि 'महाराष्ट्र, राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडल' में लिपिक पद रिक्त है। मैं इस स्थान के लिए आपको आवेदन पत्र भेज रही हूँ। पद से सम्बंधित मेरी योग्यताएँ इस प्रकार हैं -

1. मैंने मार्च 2008 में बालिका विद्यालय पुणे से एस.एस.सी.परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है।
2. मार्च 2010 में मैंने एच.एच.सी.मोहन कॉलेज से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है।

3. 2011 में मैंने एम.एस.सीआयटी.संगणक परीक्षा भी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है।

4. अनुभव - मुझे राजा विद्यालय में लिपिक के रूप में दो साल का अनुभव है।

अतःआपसे निवेदन है कि आप मुझे एक बार सेवा का और अपनी योग्यता दिखाने का मौका दें।

भवदीय,  
चन्द्रिका येवळे

पत्र के साथ निम्न प्रतिलिपियाँ संलग्न हैं :

1. एस.एस.सी परीक्षा की अंक तालिका।
2. एच.एच.सी परीक्षा का प्रमाणपत्र।
3. एम.एस.सीआयटी.संगणक परीक्षा का प्रमाणपत्र।
4. लिपिक के रूप में एक वर्ष का कार्यानुभव का प्रमाणपत्र।

प्रति,

टिकट

मा.सचिव,

महाराष्ट्र,राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडल,

भांबुर्डा, पुणे।

प्रेषक,

चन्द्रिका येवळे

441,शिवांजली,

प्रतापनगर,नांदेड।

दिनांक :10 जनवरी 2015

(2)अरुण/अरुणा पाटील,माधवबाग,सांगली से मा.व्यस्थापक क्वालिटी स्पोर्ट्स,  
अप्पा बलवंत चौक को क्रिकेट खेल की सामग्री मँगाते हुए पत्र लिखता?  
लिखती है।

अरुण पाटील

माधवबाग,

सांगली।

दिनांक : 2 जुलाई 2014

सेवा में,

मा. व्यवस्थापक,

क्वालिटी स्पोर्ट्स,

अप्पा बलवंत चौक।

विषय – खेल की सामग्री मँगवाने के संदर्भ में।

महोदय,

आपका सूचीपत्र प्राप्त हुआ। धन्यवाद !

मैंने आपकी खेल सामग्री की सूची देखी जिसमें से मुझे कुछ क्रिकेट सम्बन्धी खेल सामग्री की आवश्यकता है। अतःआप सम्बंधित खेल सामान पत्र में ऊपर अंकित पते पर वी.पी.पी. द्वारा भेजने की कृपा करें।

आपके नियमों के अनुसार पेशगी के रुप में तीन सौ रुपये का पोस्टल ऑर्डर इस पत्र के साथ भेजा है। शेष रकम की वी.पी.पी. कर दें, जो यहाँ पहुँचते ही छुड़ा ली जाएगी।

1.	क्रिकेट बल्ले	4
2.	सीझन बॉल	4
3.	क्रिकेट नेट	1
4.	स्टैंप्स	6

आशा करता हूँ कि आप यह सामग्री जल्द से जल्द भेजने की कृपा करेंगे।

भवदीय,

अरुण पाटील

प्रति,  
मा. व्यवस्थापक,  
क्वालिटी स्पोर्ट्स,  
अप्पा बलवंत चौक।

टिकट

प्रेषक,  
अरुण पाटील  
माधवबाग,  
सांगली,

दिनांक : 2 जुलाई 2014

अथवा

निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए :

आरोग्य सेवा संबंधी एक वैद्य द्वारा दिए गए विज्ञापन का प्रारूप तैयार कीजिए।

आयुर्वेद का क्रांतिकारी अविष्कार

क्या आप किसी भी तरह की बीमारी से परेशान हैं..... ?

.....तो मिलिए हमारे निष्णात वैद्य से।

करवाइए अपनी बीमारी का सटीक और अचूक इलाज।

**आर.के.आयुर्वेद**

संपर्क करें - ०२१११११२२१

(आ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए। उसे उचित शीर्षक देकर यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है : 4

चार चोर \_\_\_\_ धन चुराना \_\_\_\_ बँटवारे के लिए जंगल में जाना \_\_\_\_ भूख लगना \_\_\_\_ दोनों का मिठाई लाने नगर में जाना \_\_\_\_ मन में पाप \_\_\_\_ मिठाई में जहर मिलाना \_\_\_\_ जंगल के दोनों चोरों की भी नीयत बिगड़ना \_\_\_\_ हाथ-मुँह धोने के बहाने कुएँ पर ले जाना \_\_\_\_ कुएँ में धकेलना \_\_\_\_ शेष दोनों का मिठाई खाना \_\_\_\_ परिणाम।

एक बार चार चोर मिलकर अमीर सेठ के घर पर चोरी करते हैं। उन्हें वहाँ से बहुत सा धन, हीरे, सोने के हार, कंगन बहुत कुछ मिलता है। वह बहुत खुश हो जाते हैं। वे वहाँ से भागकर जंगल की ओर जाते हैं।

जंगल में चारों ने आराम किया। भूख लगने पर दो जंगल से गाँव में मिठाई लेने खरीदने के लिए जाते हैं। रास्ते में उनकी नीयत खराब होने लगती है। दोनों ने अपने साथियों को चोरी का माल पाने के लिए जहर वाली मिठाई खिलाने का निश्चय किया। उधर दूसरे दोनों ने भी उन्हें पानी में धक्का देकर अपने साथियों को मारने की योजना बनाई।

दोनों ने मिलकर अपने साथियों को जहर वाली मिठाई खिला दी। सब पानी पीने गए और दूसरे दोनों ने उन्हें पानी में गिरा दिया फिर अंत में बचे हुए दोनों जहर से तड़प कर मर गए।

सीख : 'जैसा करोगे, वैसा पाओगे'।

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्य-खंड पर आकलन हेतु चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए,

जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हों :

4

मनुष्य जहाँ जन्म लेता है, जहाँ की धूल में खेलकर बड़ा होता है, वहाँ से उसे स्वाभाविक लगाव हो जाता है। वह सभी लोग उसके जाने-पहचाने हो जाते हैं। लगभग सभी उसके समान भाषा बोलते हैं, और सबका रहन-सहन भी एक-सा होता है। ऐसी दशा में, वहाँ के लोगो से उसकी ममता होना स्वाभाविक है। उसका मन जन्मभूमि के लिए सदैव उत्सुक रहता है। जन्मभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ हैं। उसके प्रति प्रेम भावना रखना हमारा कर्तव्य है। देश की उन्नति में ही हमारी उन्नति है।

- (1) मनुष्य को कहाँ से स्वाभाविक प्रेम हो जाता है?
- (2) मनुष्य का मन कहाँ पहुँचने के लिए उत्सुक रहता है?
- (3) स्वर्ग से भी श्रेष्ठ किसे कहा गया है?
- (4) जन्मभूमि के प्रति हमें कैसी भावना रखनी चाहिए?